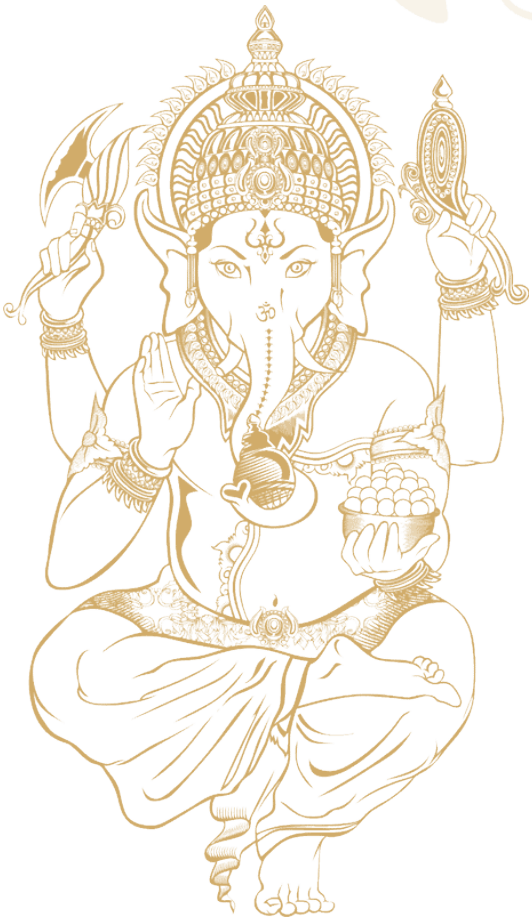

Mr.Ipshit Shah

Ms. Dhanshree

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119940701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119940701 Date: 29/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15-16/02/1993	जन्म तिथि	26/08/1996
सोम-मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 03:43:00	जन्म समय	13:15:00 घंटे
घटी 51:54:22	जन्म समय(घटी)	17:45:27 घटी
India	देश	India
Bhusaval	स्थान	Tiruvalla
21:01:00 उत्तर	अक्षांश	09:23:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	76:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:23:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:57:15	सूर्योदय	06:15:20
18:25:06	सूर्यास्त	18:35:22
23:45:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:41
धनु	लग्न	वृश्चिक
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
धनु	राशि	मकर
गुरु	राशि-स्वामी	शनि
मूल	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
केतु	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
1	चरण	3
हर्षण	योग	सौभाग्य
विष्टि	करण	कौलव
ये-येरुसलम	जन्म नामाक्षर	जा-जयन्ती
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
श्वान	योनि	नकुल
राक्षस	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	सिंह

Shri Dadaji Jyotish kendra
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 6वर्ष 6मा 0दि		11:14:54	धनु	लग्न	वृश्चि	21:11:00	सूर्य 2वर्ष 1मा 11दि	
चन्द्र		03:29:05	कुंभ	सूर्य	सिंह	09:32:17	राहु	
18/08/2025		00:57:02	धनु	चंद्र	मक	05:17:53	08/10/2015	
18/08/2035		14:54:42	मिथु	मंगल	मिथु	26:58:19	08/10/2033	
चन्द्र	18/06/2026	20:06:04	कुंभ	बुध	कन्या	06:15:42	राहु	20/06/2018
मंगल	17/01/2027	20:25:23	कन्या व	गुरु व	धनु	14:07:01	गुरु	13/11/2020
राहु	18/07/2028	17:00:30	मीन	शुक्र	मिथु	23:53:37	शनि	20/09/2023
गुरु	17/11/2029	27:55:05	मक	शनि व	मीन	12:24:01	बुध	08/04/2026
शनि	18/06/2031	25:23:25	वृश्चि व	राहु व	कन्या	14:39:27	केतु	27/04/2027
बुध	17/11/2032	25:23:25	वृष व	केतु व	मीन	14:39:27	शुक्र	26/04/2030
केतु	18/06/2033	26:31:03	धनु	हर्ष व	मक	07:36:03	सूर्य	21/03/2031
शुक्र	17/02/2035	26:15:09	धनु	नेप व	मक	01:36:12	चन्द्र	19/09/2032
सूर्य	18/08/2035	01:43:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	06:35:33	मंगल	08/10/2033

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:45:58 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:41

लग्न-चलित

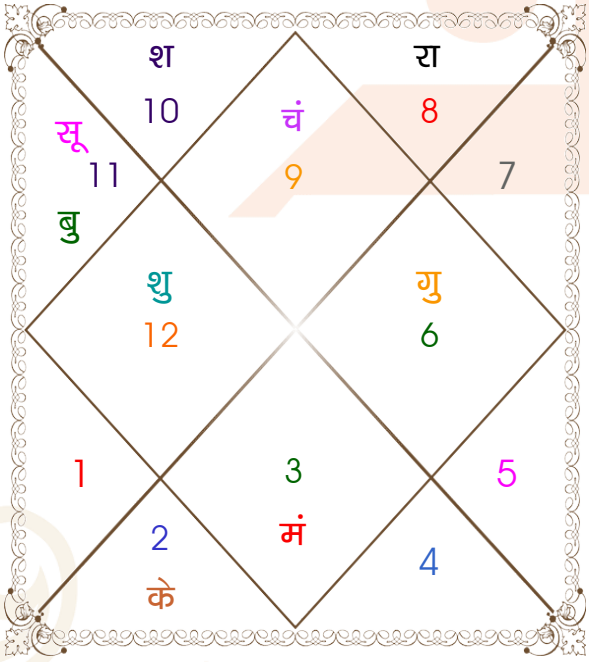

लग्न-चलित

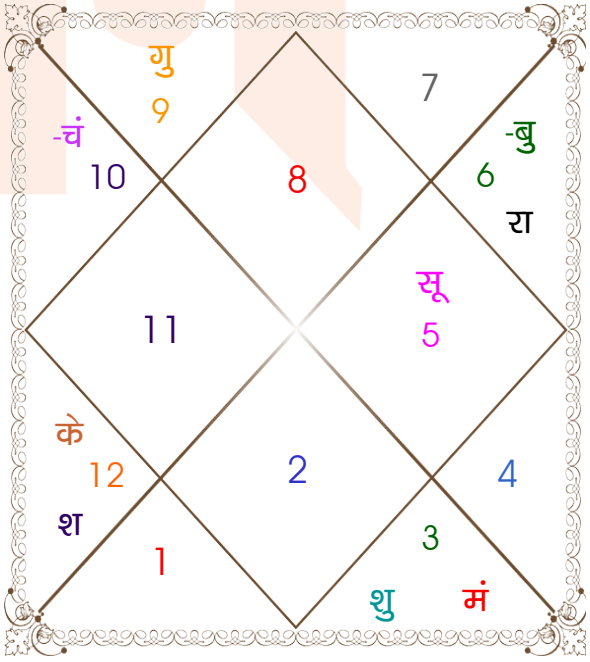

Shri Dadaji Jyotish kendra
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

कुल : **16.5 / 36**

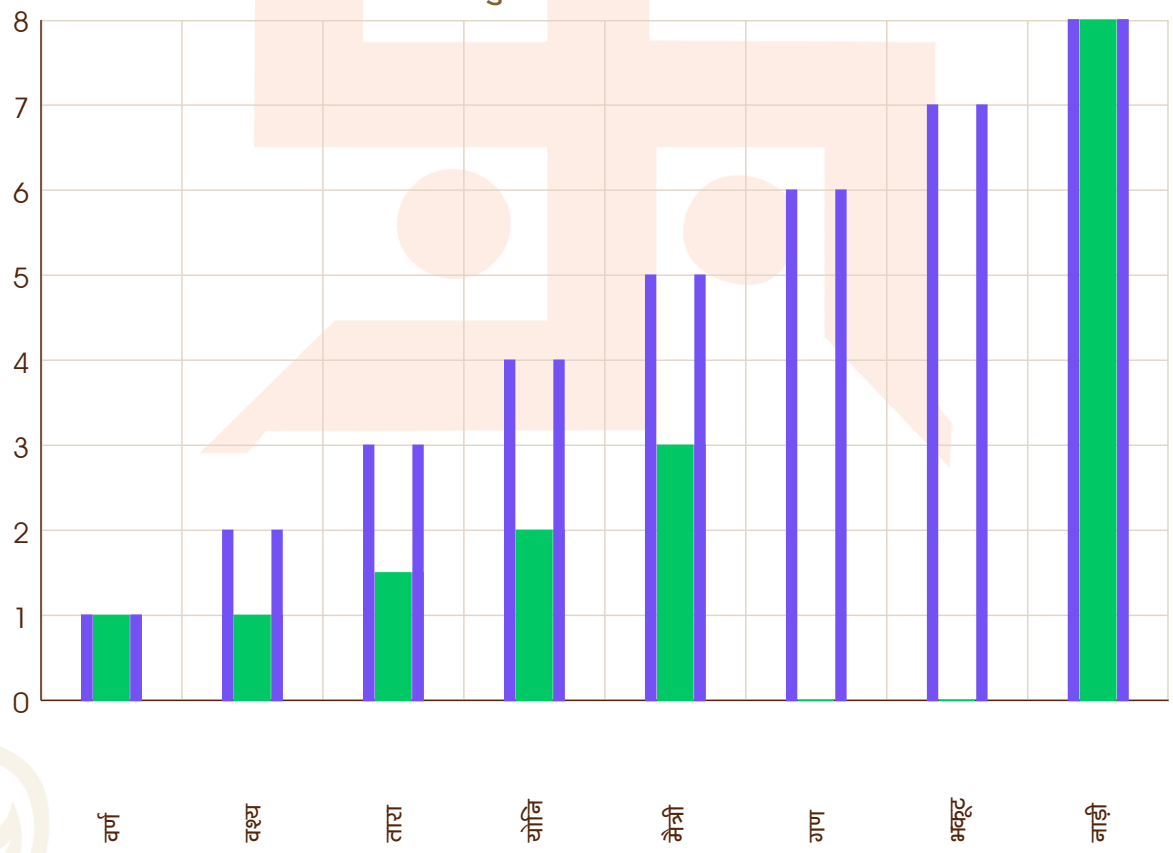

Shri Dadaji Jyotish kendra
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.Ipshit Shah का वर्ग मृग है तथा Ms. Dhanshree का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Ipshit Shah और Ms. Dhanshree का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Ipshit Shah मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Ms. Dhanshree मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. Dhanshree कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Ipshit Shah तथा Ms. Dhanshree में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.Ipshit Shah का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms. Dhanshree का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Ms. Dhanshree आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Ms. Dhanshree की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

Mr.Ipshit Shah का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms. Dhanshree का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Mr.Ipshit Shah एवं Ms. Dhanshree दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Ms. Dhanshree अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Mr.Ipshit Shah अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Mr.Ipshit Shah की तारा मित्र तथा Ms. Dhanshree की तारा विपत है। Ms. Dhanshree की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Mr.Ipshit Shah एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Ms. Dhanshree का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Mr.Ipshit Shah की योनि श्वान है तथा Ms. Dhanshree की योनि नकुल है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा

भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Ipshit Shah एवं Ms. Dhanshree दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Mr.Ipshit Shah का गण राक्षस है तथा Ms. Dhanshree का गण मनुष्य है। अर्थात Ms. Dhanshree का गण Mr.Ipshit Shah के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

Mr.Ipshit Shah से Ms. Dhanshree की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Ms. Dhanshree से Mr.Ipshit Shah की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Mr.Ipshit Shah गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Ms. Dhanshree समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Mr.Ipshit Shah शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

Mr.Ipshit Shah की नाड़ी आद्य है तथा Ms. Dhanshree की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों

की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Mr.Ipshit Shah की आद्य नाड़ी तथा Ms. Dhanshree की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.Ipshit Shah की जन्म राशि अग्नितत्व धनु तथा Ms. Dhanshree की राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर राशि है। अग्नि एवं पृथ्वी तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Mr.Ipshit Shah और Ms. Dhanshree के संबंधों में तनाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन विशेष अनुकूल नहीं रहेगा। अतः मिलान अच्छा नहीं रहेगा ।

Mr.Ipshit Shah की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Ms. Dhanshree की राशि का स्वामी शनि परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से Mr.Ipshit Shah और Ms. Dhanshree के मध्य अनावश्यक मतभेद नहीं होंगे परन्तु संबंधों में विशेष प्रगाढ़ता भी नहीं रहेगी तथा सामान्य रूप से जीवन के सुखों का उपभोग करने में समर्थ होंगे। एक दूसरे के प्रति उनकी स्नेह एवं सहानुभूति रहेगी तथा सुख दुख में अवसरानुकूल एक दूसरे की सेवा तथा सहयोग करने के लिए तत्पर होंगे। अतः Mr.Ipshit Shah और Ms. Dhanshree का दाम्पत्य जीवन सामान्य रूप से व्यतीत होगा ।

Mr.Ipshit Shah और Ms. Dhanshree की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से परस्पर Mr.Ipshit Shah और Ms. Dhanshree के मध्य वैमनस्य एवं विरोध के भाव की प्रबलता रहेगी तथा प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति के भाव का अभाव रहेगा। साथ ही अंहकारी प्रवृति होने के कारण एक दूसरे से श्रेष्ठ समझने की प्रवृति भी रहेगी। Mr.Ipshit Shah और Ms. Dhanshree एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे अशांति तथा असन्तुष्टि का भाव दोनों के मन में बना रहेगा । अतः वैवाहिक जीवन अच्छा नहीं रहेगा ।

Mr.Ipshit Shah का वश्य मानव तथा Ms. Dhanshree का वश्य चतुष्पद है। मानव तथा चतुष्पद में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनूकी अभिरूचियों में अन्तर होगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं असमान होंगी। अतःकामसम्बंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

Mr.Ipshit Shah का वश्य क्षत्रिय तथा Ms. Dhanshree का वश्य वैश्य है। अतः Mr.Ipshit Shah की प्रवृति पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो में रहेगी परन्तु Ms. Dhanshree धनार्जन संबधी कार्यो में रूचिशील रहेंगी तथा व्यापारिक बुद्धि के द्वारा अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी।

धन

Mr.Ipshit Shah और Ms. Dhanshree की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः

सामान्यतया Mr.Ipshit Shah और Ms. Dhanshree समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Ms. Dhanshree की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही Mr.Ipshit Shah भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए Mr.Ipshit Shah और Ms. Dhanshree को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Mr.Ipshit Shah आद्य तथा Ms. Dhanshree अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई हैं। अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे परन्तु मंगल के प्रभाव से दोनों को समय समय पर शारीरिक कष्ट की प्राप्ति होती रहेगी। इससे दोनों गुप्त रोग या धातु संबंधी रोगों से परेशान रहेंगे तथा हृदय संबधी कोई कष्ट भी हो सकता है। Mr.Ipshit Shah की रतिक्रिया में शिथिलता रहेगी जबकि Ms. Dhanshree की संभोग के प्रति उनके मन में उदासीनता का भाव रहेगा फलतः दोनों का दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं होगा। अतः इस प्रभाव की न्यूनता के लिए Mr.Ipshit Shah और Ms. Dhanshree को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Mr.Ipshit Shah और Ms. Dhanshree का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Ms. Dhanshree के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Ms. Dhanshree को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Mr.Ipshit Shah और Ms. Dhanshree बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Mr.Ipshit Shah और Ms. Dhanshree का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Dhanshree के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Ms. Dhanshree भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Ms. Dhanshree भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Ms. Dhanshree को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.Ipshit Shah की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। Mr.Ipshit Shah सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही Mr.Ipshit Shah का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी Mr.Ipshit Shah के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। Mr.Ipshit Shah भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr.Ipshit Shah के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।